स्वामी विवेकानंद का व्यक्तित्व एवं कृतित्व

(राष्ट्रीय युवा दिवस)

(12 जनवरी, 2023)

REPORT ON EXTENSION LECTURE

ORGANIZED
By
FACULTY OF HUMANITIES
& SOCIAL SCIENCES
&
DEPARTMENT OF HISTORY
INSTITUTE OF ADVANCED STUDIES IN EDUCATION
(DEEMED TO BE UNIVERSITY)
SARDARSHAHR, CHURU,
RAJASTHAN - 331403

IASE
(deemed to be university)

INSTITUTE OF ADVANCED STUDIES IN EDUCATION
(DEEMED TO BE UNIVERSITY) OF GANDHI VIDYA MANDIR,
SARDARSHAHR, CHURU, RAJASTHAN

EXTENSION LECTURE

स्वामी विवेकानंद का व्यक्तित्व एवं कृतित्व

(राष्ट्रीय युवा दिवस)

मुख्य वार्ताकार
डॉ अविनाश पारीक
विभागाध्यक्ष- इतिहास विभाग

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय *एवं* इतिहास विभाग

दिनांक: 12 जनवरी, 2023 समय: प्रातः :11:00 बजे

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय, उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय), गांधी विद्या मंदिर ,सरदारशहर

एवं

इतिहास विभाग

के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय युवा दिवस पर आयोजित

" स्वामी विवेकानंद का व्यक्तित्व एवं कृतित्व "

विषय पर प्रसार वार्ता आयोजित

मुख्य वार्ताकार

डॉ अविनाश पारीक

विभागाध्यक्ष- इतिहास विभाग

दिनांक: 12 जनवरी, 2023 ***समय: प्रातः :11:00 बजे***

प्रसार वार्ता का प्रतिवेदन

उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) के मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय एवं इतिहास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में संकाय के सभागार में *राष्ट्रीय युवा दिवस पर आयोजित" स्वामी विवेकानंद का व्यक्तित्व एवं कृतित्व " विषय पर दिनांक 12 जनवरी, 2023 को प्रातः :11:00 बजे प्रसार वार्ता आयोजन किया गया।* कार्यक्रम के *मुख्य वार्ताकार एवं सन्दर्भ व्यक्ति* इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ अविनाश पारीक ने स्वामी विवेकानंद के प्रेरक प्रसंग सुनाते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी 1863 को कलकत्ता में हुआ था। स्वामी जी इतने ओजवान और तेजस्वी थे, कि वह उनके चेहरे पर स्पष्ट दिखाई देता था। उन्होंने युवाओं के दिल में अपने कार्य को करने के लिए जो आग फूंकी वो आज भी हर भारतीय के लिए प्रेरणा स्त्रोत है। स्वामी जी कहते थे- "युवा वो होता है,जो बिना अतीत की चिंता किए अपने भविष्य के लक्ष्यों की दिशा में काम करता है।" हर इंसान को कभी ना कभी अकेले ही शुरूआत करनी होती है, इसलिए किसी भी काम को करने से घबराना नहीं चाहिए। अगर आपकी नियत साफ, इरादे स्पष्ट और हौसले बुलंद होते हैं, तो आपके साथ अपने आप ही लोग जुड़ने लगते हैं। भारत सरकार राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर प्रत्येक वर्ष एक नई थीम रखती है। थीम को देश में प्रासंगिक और समकालीन परिदृश्य के मुताबिक चुना जाता है। राष्ट्रीय युवा दिवस 2023 की थीम "इट्स ऑल इन द माइंड" रखी गई है।

मानवीय मूल्यों के संरक्षण एवं संवर्धन में सुस्वास्थ्य की नींव पर ही सुशिक्षा का भवन निर्मित हो सकता है अतः आज के युवा को स्वामी विवेकानंद के विचारों को आत्मसात करने एवं उनके व्यक्तित्व से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ने की महती आवश्यकता है।

हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ कल्पना मौर्य ने कहा कि स्वामी विवेकानंद के गुरु का नाम रामकृष्ण परमहंस था। वो किसी भी काम को करने से पहले उनसे सलाह-मशविरा और आशीर्वाद लिया करते थे। स्वामी जी के गुरु का देहांत हो चुका था और जिस साल उन्हें अमेरिका जाना था वो उनके साथ नहीं थे। इस स्थिति में उन्होंने अपनी गुरु मां का आशीर्वाद लेना चाहा। डॉ दयानिधि पाठक ने कहा कि स्वामी विवेकानंद को "भारत का राष्ट्रीय संत" कहा जाता है। युवाओं को स्वामी जी के बताए गए रास्ते पर चलना चाहिए, इससे समाज और देश का हित तो होगा ही साथ ही उस व्यक्ति का जीवन भी संवर जाएगा। राष्ट्रीय युवा दिवस मनाने का उद्देश्य भारत के युवाओं को राष्ट्र निर्माण की दिशा में प्रोत्साहित करना, एकजुट करना, प्रेरित करना और सक्रिय करना है।

डॉ दिनेश मौर्य, डॉ मिलन बर्मन एवं ज्योति मद्धेशिया ने विवेकानंद के व्यक्तित्व एवं दर्शन से संबंधित प्रेरक प्रसंग सुना कर युवा को अपनी ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। विद्यार्थियों ने भी विवेकानंद के जीवन एवं युवा दिवस की सार्थकता पर प्रकाश डाला। विवेकानंद जयंती को युवा दिवस के रूप में मनाया गया। *कार्यक्रम का संचालन* डॉ दयानिधि पाठक*ने किया।*

SOME GLIMPSES OF EXTENSION LECTURE
(12 JANUARY,2023)

विवेकानन्द जयन्ती (युवा दिवस)
12 जनवरी 2023

विवेकानन्द जयन्ती (युवा दिवस)
12 जनवरी 2023

विवेकानन्द जयन्ती (युवा दिवस)
12 जनवरी 2023

विवेकानन्द जयन्ती (युवा दिवस)
12 जनवरी 2023

NEWS PAPER CUTTINGS

मानवीय मूल्यों के संरक्षण और संवर्धन में सुशिक्षा एवं सुस्वास्थ्य महत्वपूर्ण :डॉ अविनाश पारीक

हमारा समाचार

सरदारशहर / मुन्नालाल राव। उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान मानित विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग एवं मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय के संयुक्त तत्वावधान में संकाय के सभागार में विवेकानंद जयंती को युवा दिवस के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ अविनाश पारीक ने स्वामी विवेकानंद के प्रेरक प्रसंग सुनाते हुए कहा कि मानवीय मूल्यों के संरक्षण एवं संवर्धन में सुस्वास्थ्य की नींव पर ही सुशिक्षा का भवन निर्मित हो सकता है अतः आज के युवा को स्वामी विवेकानंद के विचारों को आत्मसात करने एवं उनके व्यक्तित्व से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ने की महती आवश्यकता है। हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ कल्पना मौर्य, डॉ दिनेश मौर्य, डॉ दयानिधि पाठक, डॉ मिलन बर्मन एवं ज्योति मद्धेशिया ने विवेकानंद के व्यक्तित्व एवं दर्शन से संबंधित प्रेरक प्रसंग सुना कर युवा को अपनी ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। विद्यार्थियों ने भी विवेकानंद के जीवन एवं युवा दिवस की सार्थकता पर प्रकाश डाला।

मानवीय मूल्यों के संरक्षण और संवर्धन में सुशिक्षा एवं सुस्वास्थ्य महत्वपूर्णः डॉ. अविनाश पारीक

सरदारशहर(निस.)। शहर के उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान मानित विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग एवं मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय के संयुक्त तत्वावधान में संकाय के सभागार में विवेकानंद जयंती को युवा दिवस के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अविनाश पारीक ने स्वामी विवेकानंद के प्रेरक प्रसंग सुनाते हुए कहा कि मानवीय मूल्यों के संरक्षण एवं संवर्धन में सुस्वास्थ्य की नींव पर ही सुशिक्षा का भवन निर्मित हो सकता है। अतः आज के युवा को स्वामी विवेकानंद के विचारों को आत्मसात करने एवं उनके व्यक्तित्व से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ने की महती आवश्यकता है। हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. कल्पना मौर्य, डॉ. दिनेश मौर्य, डॉ. दयानिधि पाठक, डॉ. मिलन बर्मन एवं ज्योति मद्धेशिया ने विवेकानंद के व्यक्तित्व एवं दर्शन से संबंधित प्रेरक प्रसंग सुनाकर युवा को अपनी ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। विद्यार्थियों ने भी विवेकानंद के जीवन एवं युवा दिवस की सार्थकता पर प्रकाश डाला।